Paper - VI

MT

2018 1100

MT - HINDI (COMPOSITE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - I - PAPER - VI

Time : 2 Hours **Preliminary Model Answer Paper** **Max. Marks : 40**

विभाग 1 - गद्य

उ.1. 1) **क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-**

ii) **कृति पूर्ण कीजिए।** 1

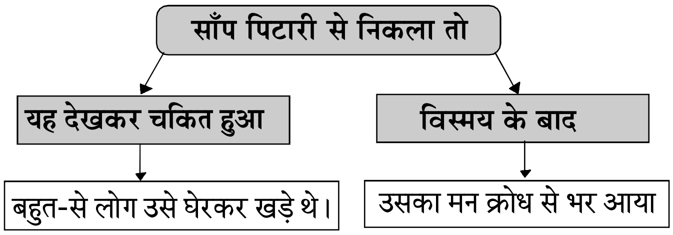

ii) **आकृति पूर्ण कीजिए।** 1

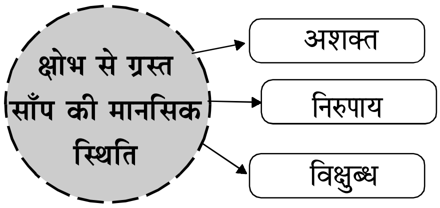

2) **निम्नलिखित शब्दों का वर्गीकरण कीजिए ।** 2

उपसर्गों से बने शब्द	प्रत्ययों से बने शब्द
i) अशक्त	i) तेजस्विता
ii) निरुपाय	ii) तमाशाई

3) मनुष्य ही नहीं समस्त जीव-जन्तुओं को अपनी स्वतंत्रता प्यारी है। पंछी को चाहे सोने के पिजड़े में बंद कर, खूब दाने और पानी की व्यवस्था कर दो मौका मिलते ही वह उड़ जाएगा। शेर शिकार के लिए जंगल में इधर-उधर भटकेगा पर पिजड़े में बंद रह कर मांस खाना बिलकुल पसंद नहीं करेगा। क्योंकि स्वच्छंदता और स्वतंत्रता में सभी रहना चाहते हैं। 2

उ.1. ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

1) i) **उत्तर लिखिए।**

(1) दुनिया भर में मशहूर पकवान है, छोला - भटूरा। ½

(2) लेखक ने सोचा आज के विकास में दिल्ली नहीं रह गई है, लाल किला, कुतुब मीनार की। ½

ii) **उत्तर लिखिए।**

(1) समाचारपत्रों में ½

(2) दूरदर्शन के समाचार बुलेटिनों में ½

2) i) **पर्यायी शब्द लिखकर आकृति पूर्ण कीजिए ।**

(1) बेकार → व्यर्थ ½

(2) प्रसिद्ध → मशहूर ½

ii) **निम्नलिखित शब्दों के लिए विलोम शब्द परिच्छेद से ढूँढ़कर लिखिए ।**

(1) स्वदेशी × विदेशी ½

(2) सही × गलत ½

3) हमारे देश में कई ऐतिहासिक स्थल हैं। ऐसे स्थलों पर लोग घूमने जाते हैं। मैं भी ऐसे ही एक ऐतिहासिक स्थल पर घूमने गई थी। जिसका नाम लाल किला है। यह दिल्ली में यमुना नदी के किनारे स्थित है। वहाँ जाने पर मुझे लाल किले के बारे में कई जानकारियाँ मिली। दिल्ली का लाल किला शाहजहाँ द्वारा बनवाया गया है। इसमें दो गेट हैं, दिल्ली गेट और लाहौर गेट। लाहौर गेट इसका मुख्य द्वार है। इसके चारों ओर लगभल 30 मीटर ऊँची पत्थर की दीवार है। लाल किले के निर्माण में लाल पत्थर एवं संगमरमर का प्रयोग हुआ है। सचमुच इन ऐतिहासिक धरोहरों को देखकर मन गद्गद् हो जाता है। इनसे हमारी कलाकृतियों और समृद्धि का पता चलता है। **2**

विभाग 2 - पद्य

उ.2. (च) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

1) i) **उत्तर लिखिए।**

(1) अपनापन दिखाने वाले। ½

(2) जो प्रभु के गुण गाता है। ½

ii) **सही पर्याय चुनकर पूर्ण वाक्य फिर से लिखिए।**

(1) लाख समझाने पर भी मानव मन नहीं समझता **लोगों के झूठे प्रेम को।** ½

(2) अचरज की रीति यह है कि **अंत समय कोई साथ नहीं देता।** ½

2)	**पर्यायी शब्द लिखकर आकृति पूर्ण कीजिए।** i) दारा → पत्नी ii) चीत → मन	**1**
3)	''सुर नर मुनि सबकर यह रीति, स्वारथ लाग करै सब प्रीति।'' उपर्युक्त पंक्ति से यह स्पष्ट है कि देवता, मनुष्य, साधु, संत सबके सब स्वार्थ की भावना से भरे रहते हैं। वह जो भी कार्य करते हैं, उसमें कहीं न कहीं स्वार्थ जरूर छिपा रहता है। देवता अपने यश के लिए स्वार्थ से बँधे होते हैं ; तो संत लोग भी मोक्ष प्राप्ति के लिए ईश्वर भजन में लीन होते हैं। उन्हें कहीं न कहीं मोक्ष प्राप्ति की तीव्र लालसा होती है जिसको प्राप्त करने के लिए योग-साधना में लीन होते हैं। मनुष्य तो पग-पग पर स्वार्थ की भावना से भरा रहता है अर्थात सब लोग स्वार्थ से भरे पड़े हैं।	**2**
उ.2.	**(छ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।**	
1)	**उत्तर लिखिए ।** i) नगर नए बसाती है। ii) नई बस्तियाँ बनाती है। iii) कारवाँ सभ्यता के आगे बढ़ाती है। iv) कही-अनकही सब तक पहुँचाती है।	**2**
2)	**विरुद्धार्थी शब्द लिखिए।**	
	i) नया × पुराना	½
	ii) आगे × पीछे	½
3)	आज प्रदूषण जल, थल तथा आसमान हर जगह फैला हुआ है। देश में जल प्रदूषण का खतरा दिनों-दिन बढ़ता ही जा रहा है। भारी मात्रा में औद्योगिक कचरा, कूड़ा-करकट, मल-मूत्र आदि नदियों और समुद्र में डाल दिया जाता है। झीलें भी इस गंदगी से बची नहीं हैं। इसी कारण जलीय वनस्पतियाँ, मछलियाँ और अन्य जीव-जंतु बड़ी संख्या में मरने लगे हैं। प्रदूषित जल से सिंचाई के कारण पैदावार भी नष्ट हो रही है। जल-प्रदूषण के अतिरिक्त वायुप्रदूषण तथा ध्वनिप्रदूषण भी मानव जीवन के लिए खतरनाक है। पर्यावरण को शुद्ध रखने के लिए हमें प्रदूषण के सभी कारणों को दूर करना होगा।	**2**
	विभाग 3 - व्याकरण	
उ.3.	**पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।**	
1)	**शुद्ध शब्द पहचानिए।** (i) बाष्पशक्ति (ii) विद्युत	**1**

2)		**निम्नलिखित वाक्यों में से अव्ययों को चुनकर उनके भेद लिखिए ।** **पश्चात्** - संबंधसूचक अव्यय।	1
3)	i)	**काल पहचानिए ।** सामान्य भविष्यत्काल	1
	ii)	**काल परिवर्तन कीजिए ।** कोलकाता उनका कार्यक्षेत्र बना।	1
4)	i)	**अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए ।** 'भ्रष्टाचार' शब्द सुनकर **खून खौल उठता है ।**	1
	ii)	**निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **अभिभूत हो उठना** – प्रभावित होना। **वाक्य :** आचार्य जी की बातों से सभी छात्र **अभिभूत हो उठे।**	1
		विभाग - 4 - रचना	
उ.4.	1)	**निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए ।**	4

सौरभ तिवारी
गीता भवन,
राजीव मार्ग,
पूना ।
दिनांक - 5 मार्च, 2017

सेवा में,
श्रीमान प्रधानाचार्य जी,
सरस्वती विद्या मंदिर,
शीतलगंज,
पूना ।

विषय :- शिक्षक की नौकरी के लिए आवेदन पत्र ।

माननीय महोदय,

पिछले सप्ताह नवभारत टाईम्स में छपे एक विज्ञापन द्वारा मुझे ज्ञात हुआ कि आपके विद्यालय में हिंदी अध्यापक का पद खाली है। मैं उक्त पद के लिए आवेदन करना चाहता हूँ।

मेरी शैक्षणिक योग्यता इस प्रकार है ।

(1) दसवीं परीक्षा	मार्च, 2009	(प्रथम श्रेणी)
(2) बारहवीं परीक्षा	मार्च, 2011	(प्रथम श्रेणी)
(3) बी.ए. परीक्षा	अगस्त, 2014	(द्वितीय श्रेणी)
(4) बी.एड.	अगस्त, 2016	(द्वितीय श्रेणी)

मैं आपको विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि मैं एक कुशल व योग्य शिक्षक बनकर दिखलाऊँगा। आप केवल एक बार अवसर देने का कष्ट करें।

कष्ट के लिए क्षमा प्रार्थी ।

धन्यवाद !

भवदीय,

सागर शर्मा ।

संलग्न प्रमाणित प्रति लिपियाँ :

1) एस.एस.सी. प्रमाण पत्र के साथ अंकतालिका ।

2) एच.एस.सी. प्रमाण पत्र के साथ अंकतालिका ।

3) संगणक संबंधी अनुभव प्रमाण पत्र ।

टिकट

सेवा में,
श्रीमान प्रधानाचार्य जी,
सरस्वती विद्या मंदिर,
शीतलगंज,
पूना ।

प्रेषक,
सौरभ तिवारी,
गीता भवन,
राजीव मार्ग,
पूना ।

2) **सरल हिंदी में अनुवाद कीजिए पद्य** 4

(1) उम्मीदों पर यकीन करना मत छोड़ो, क्योंकि प्रतिदिन चमत्कार होता है ।

(2) याद रखो, आप की स्थिति कभी भी स्थायी नहीं है ।

(3) अपनी खुशी के लिए आप खुद जिम्मेदार हैं ।

(4) हर दिन अच्छा नहीं हो सकता, लेकिन प्रतिदिन कुछ-न-कुछ अच्छा होता है ।

3)	**निम्नलिखित प्रसंग पर लगभग 60 से 80 शब्दों में अपने विचार लिखिए ।** मैं ग्रीष्मावकाश में गाँव गया था । नब्बे वर्ष के रामू काका को आम का पौधा लगाते देख मैं स्तब्ध रह गया । मन में सोचा कि इन्हें तो इस पेड़ के आम खाने के लिए नहीं मिलेंगे। फिर भी वे पौधा लगा रहे हैं। मैंने जिज्ञासावश उन्हें इस बारे में पूछा तो उन्होंने कहा, तो क्या हुआ बेटा ? भले ही इस पेड़ के फल खाने के लिए मैं जीवित नहीं रहूँगा । तुम तो जीवित रह सकते हो और फिर तुम्हारी आने वाली पीढ़ी इसके फल जरूर खाएगी । इसी से मुझे संतुष्टि मिलेगी । उनके इस कथन को सुनकर मैंने कहा, काका जी, आजकल तो भलाई का जमाना नहीं रहा। लोगों को अपने बारे में सोचने के लिए वक्त नहीं है लेकिन आप जैसे कई लोग आज भी दूसरों के बारे में सोच रहे हैं और मानवता के कार्य में अपना योगदान दे रहे हैं ।" हाँ बेटा, मानवता से बढ़कर कोई भी कार्य नहीं होता । तुम भी इस कार्य को अपनाकर अपने आप को धन्य कर पाओगे । काका जी के इस कार्य से मुझे सिर्फ प्रेरणा ही नहीं बल्कि मेरे अंदर एक ऐसे अद्भुत आत्मविश्वास का संचार हुआ, जिसका वर्णन कर पाना मेरे लिए एक कठिन कार्य होगा । ❖❖❖❖	4